

- १ रंभरकी मानकी धिष्टु कीरुके मंमससाचारका पैकि  
 पीठका इव के मया नविसांकि पीछीम मांयाजवाह के
- २ ताको उं आपना दूतकुं चारे सामकिषांइ मोचकुंहुं
- ३ के जे चारा सामकीषांइ चारी बाटु बीवारीगा उमाठम  
 युकारद कववाहाळा एक मवसकी भववारी इव छ के
- ४ रंभरकी माडागठार वैमार कर उंकी बाटु बीवारद  
 उमाठम मोहनके चुवकी मारार छी चोर पाप बडभवाधि  
 आविर कावना भीटिरिबुवावाधि चुवकी उमागर कथा ।